(127)

संo– 02 /उन्तीस(2)/12–2(79पेo)/2006

प्रेषक,

अरविन्द सिंह ह्यांकी
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रभारी प्रबन्ध निदेशक
उत्तराखण्ड पेयजल निगम
देहरादून।

पेयजल अनुभाग–2 देहरादूनः दिनांकः 14 फरवरी, 2012

विषयः **राज्य सैक्टर की ग्रामीण पेयजल योजनान्तर्गत जनपद रूद्रप्रयाग की अगस्तमुनि पुर्नगठन पेयजल योजना हेतु वित्तीय वर्ष 2011–12 में वित्तीय/व्यय की स्वीकृति।**

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 106/नियोजन अनुभाग/धनावंटन प्रस्ताव/08 दिनांक 20–01–2012 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि शासनादेश संख्या 1220/उन्तीस(2)/06–2(79पेo)/06 दिनांक 24 अगस्त 2006 के द्वारा ₹ 480.80 लाख की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के साथ ही ₹ 50.00 लाख, शासनादेश संख्या 1950/उन्तीस(2)/07–2(71पेo)/07 दिनांक 28 सितम्बर 2007 के द्वारा ₹ 100.00 लाख इस प्रकार कुल ₹ 150.00 लाख की स्वीकृति शासन द्वारा पूर्व में निर्गत की गयी है अतएव उक्त के क्रम में चालू वित्तीय वर्ष 2011–12 में राज्य सैक्टर की ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद रूद्रप्रयाग की निर्माणाधीन अगस्तमुनि पुनर्गठन पेयजल योजना हेतु रू0 80.00 लाख (रू0 अस्सी लाख मात्र) की धनराशि व्यय हेतु निम्न शर्तो के अधीन आपके निर्वतन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते है :–

(i)– उक्त धनराशि प्रबन्ध निदेशक उत्तराखण्ड पेयजल निगम, देहरादून के हस्ताक्षर तथा जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षर युक्त बिल देहरादून कोषागार में प्रस्तुत करके इसी वित्तीय वर्ष में आहरित की जायेगी। आहरण से सम्बन्धित बिल बाउचर संख्या एवं दिनांक की सूचना शासन एवं महालेखाकार को आहरण के तुरन्त बाद उपलब्ध करायी जायेगी।

(ii)– स्वीकृत की जा रही धनराशि का इसी वित्तीय वर्ष में पूर्ण उपयोग कर कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाणपत्र शासन को प्रस्तुत किया जाय।

(iii)– कराये जाने वाले कार्यो पर वित्त(वे0आ0–सा0नि0) अनुभाग–7 के शासनादेश संख्या 163/XXVII(7)/2007, दिनांक 22.05.08 के अनुसार सेन्टेज प्रभार अनुमन्य होगा।

(iv)– व्यय करने से पूर्व उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का पालन कड़ाई से किया जाय।

(v)– कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय, जितना कि स्वीकृत नार्म है। स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

(vi)– कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित निर्माण ऐजेन्सी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगी।

(vii)– कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य को प्रारम्भ न किया जाय।

(viii)– एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।

(ix)– आगणन मे उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों का तथा जो दरें शिडयूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं है अथवा बाजार भाव से ली गई है, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन

...क्रमशः.....2...पर...

कराना आवश्यक होगा तदोपरांत ही आगणन की स्वीकृति मान्य होगी।

(x)– कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताये तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लोक निमार्ण विभाग/विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।

(xi)– कार्य कराने से पूर्व स्थल का भलीभॉति निरीक्षण उच्चाधिकारियों एवं भू–गर्भवेत्ता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाय।

(xii)– आगणन में जिन मदों हेतु जो धनराशि स्वीकृत की गई है उसी मद पर व्यय किया जाय एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।

(xiii)– निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला में टैस्टिग करा ली जाय तथा उपयुक्त पाई जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।

(xiv)– मुख्य सचिव उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 2047/XIV– 219(2006) दिनांक 30 मई, 2006 द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य करते समय कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।

2– उपरोक्त के अतिरिक्त योजना की मूल स्वीकृति सहित धनावंटन सम्बन्धी आदेशों में उल्लिखित सभी शर्ते यथावत् रहेगी।

3– उपर्युक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2011–12 के लेखानुदान सं0–13 के अंतर्गत लेखाशीर्षक "2215–जलापूर्ति तथा सफाई–01–जलापूर्ति–आयोजनागत–102–ग्रामीण जलापूर्ति कार्यक्रम–03–ग्रामीण पेयजल राज्य सैक्टर–00– 20–सहायक अनुदान/अंशदान/ राजसहायता के नामे" डाला जायेगा।

4– यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्याः 65/XXVII(2)/2012, दिनांक 07 फरवरी, 2012 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे है।

भवदीय,

(अरविन्द सिंह ह्यांकी)
अपर सचिव

पृ0 सं0–821/उन्तीस(2)/12–2(79पे0)/2006 तददिनांक

प्रतिलिपि–निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1. निजी सचिव, मा0 पेयजल मंत्री को मा0 मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
2. स्टाफ ऑफिसर–मुख्य सचिव।
3. निजी सचिव, प्रमुख सचिव पेयजल को प्रमुख सचिव महोदय के संज्ञानार्थ।
4. महालेखाकार, उत्तराखण्ड देहरादून।
5. मण्डलायुक्त, गढ़वाल मण्डल।
6. निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून।
7. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. वित्त अनुभाग–2/वित्त(बजट सैल)/राज्य योजना आयोग उत्तराखण्ड।
9. जिलाधिकारी, देहरादून।
10. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
11. मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड जल संस्थान देहरादून।
12. मुख्य अभियन्ता, राज्य जल एवं स्वच्छता मिशन,उत्तराखण्ड देहरादून।
13. सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता, उत्तराखण्ड पेयजल निगम।
14. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(गरिमा रौकली)
उप सचिव